खाद्यान्नों की भंडारण क्षमता

2068. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:**
श्री अनन्त राम जायसवाल:

क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में सरकार के पास खाद्यान्न की भंडारण क्षमता क्या है तथा क्षमतानुसार खाद्यान्नों का भंडार कितना है; और

(ख) चावल और गेहूं की वर्तमान पैदावार को देखते हुए चालू वर्ष में खाद्यान्न का कितना भंडार हो जाएगा और चावल और गेहूं के भंडार को पूर्णतया सुरक्षित रखने के लिए सरकार क्या व्यवस्था करेगी?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) 1.2.95 को स्थिति के अनुसार खाद्यान्नों के भण्डारण के लिए भारतीय खाद्य निगम के पास उपलब्ध कुल भण्डारण क्षमता 272.62 लाख मीटरी टन थी और इसमें 220.70 लाख मीटरी टन खाद्यान्नों का स्टाक रखा हुआ था। इसके अतिरिक्त पंजाब और हरियाणा में राज्य एजेंसियों के पास भी उनके गोदामों में केन्द्रीय सरकार के खाते पर लगभग 80 लाख मीटरी टन खाद्यान्न रखे हुए थे।

(ख) 1.3.95 को स्थिति के अनुसार केन्द्रीय और राज्य सरकारों के खाते में 293.91 लाख टन मीटरी टन खाद्यान्नों की मात्रा थी। गेहूं और चावल का स्टाक बनाए रखने के लिए भारतीय खाद्य निगम द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:—

(1) भण्डारण योग्य अतिरिक्त गोदामों का निर्माण जो मूषक और नमी-प्रूफ हो;

(2) खुले में भंडारित खाद्यान्नों के स्टाक को अच्छी गुणवत्ता वाले एल०डी०पी०ई० कवरों से अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करना;

(3) आवधिक और अचानक निरीक्षणों की व्यवस्था करना और रोगनिरोधी और रोग हर उपचार द्वारा जन्तुबाधा (इनेफेस्टेशन) के नियंत्रण के लिए स्टाक का रख-रखाव करना;

(4) ढकी हुई/स्वच्छ वैगनों में खाद्यान्नों का संचलन करने में तेजी लाना ताकि मार्गस्थ हानियों से बचा जा सके;

(5) वसूली के समय खाद्यान्नों की बोरियों की मशीन द्वारा सिलाई करना।

Sugar Millis Functioning in the Country

2069. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) what is the number of sugar mills functioning in the country and how many sugar factories are in Uttar Pradesh;

(b) the details thereof;

(c) whether Government have any plan to improve the production of sugar in near future in the country; and

(d) what steps are being taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) and (b) A total of 405 sugar factories have reportedly undertaken crushing operations during the sugar season 1994-95, till 22-3-1995. Out of these, 109 sugar mills are from Uttar Pradesh. List of these factories of U.P. is enclosed as Statement. *(See below)*

(c) and (d) The Government have taken/initiated the following measures in order to give a boost to the sugar production during 1994-95 sugar seasons:—

(i) Early-crushing incentives have been announced in the form of higher freesale quota at 72% as against the normal entitlement of 60%, to sugar mills for the production achieved during the period 1.10.1994 to 15.11.1994.

(ii) The Statutory Minimum Price (SMP) of sugarcance for 1994-95 season has been raised to Rs. 39.10 per quintal linked to a basic recovery of 8.5%, with a premium of Rs. 0.46 for every 0.1% point increase in the recovery above that level upto 10% and Rs. 0.60 for every 0.1% point increase in the recovery above 10%.

(iii) An advance announcement of SMP for 1995-96 season has also been made at Rs. 42.50 per